

होलिय स्त्री. (तत्.) 1. होली 2. होली की अग्नि, होलिका।

होलिहार¹ पुं. (देश.) 1. होली 2. होली की अग्नि, होलिका।

होलिहार² पुं. (देश.) 1. जो घूम-घूम कर धूमधाम से होली खेलता फिरता हो, होरिहार 2. मनमाने ढंग से चारों ओर उपद्रव मचाने वाला।

होली स्त्री. (तद्.) 1. हिंदुओं का एक प्रसिद्ध त्योहार जो फाल्गुन पूर्णिमा को होता है, लोग आपस में अबीर-गुलाल रंग लगाते हुए, हास परिहास करते हुए होली-गीतों के गायन के साथ इसे मनाते हैं 2. होलिका दहन में जलाया जाने वाला लकड़ियों आदि का ढेर 3. माघ-फाल्गुन में अनेक राग-रागिनियों में गाये जाने वाले गीत लाक्ष. धन आदि को व्यर्थ या अनावश्यक कार्यों में खर्च करना।

होलू पुं. (देश.) भुने या उबाले हुए चने (खोमचे वालों की बोली)।

होल्डर पुं. (अं.) 1. किसी वस्तु को थामने, पकड़ने का साधन उदा. बल्ब होल्डर, सिगार होल्डर 2. निब से लिखने वाली लकड़ी आदि की बनी कलम।

होल्डाल पुं. (अं.) एक प्रकार का बिस्तर बंद जिसमें ओढ़ने-बिछाने के कपड़े लपेट कर, बाँध कर यात्रा में ले जाए जाते हैं। holdall

होश पुं. (फा.) 1. याददाश्त, चेतन अवस्था, स्मृति 2. बुद्धि, समझ 3. समझदारी, बुद्धिमानी 4. विवेकशीलता 5. नशा उतरने की स्थिति, होश आना मुहा. होश उड़ना- भयभीत होना या सुध-बुध न रहना; होश काफूर होना- सुध बुध न रहना; होश की दवा पिलाना- अकल ठिकाने लगाना, बुद्धि ठीक करना, सही मार्ग पर लाना; होश खोना- अचेत या बेहोश होना; होश गुम होना- होश उड़ना; होश ठिकाने आना- दंड पाकर अपनी भूल पर पछताना, अपनी औकात पहचानना; होश ठिकाने लगना-भ्रांति या मोह दूर होना, दंड पाकर बात समझ में आना; होश

दिलाना-याद दिलाना, स्मरण कराना; होश न रहना-सुधबुध न रहना, परिस्थिति का ध्यान न रहना; होश में लाना-सावधान करना, सही मार्ग पर लाना; होश संभालना- बाल्यावस्था समाप्त होकर समझदारी की अवस्था प्रारंभ होना; होश से बाहर होना- होश खोना; होश हिरन होना- होश उड़ जाना; होश-हवास खो बैठना- मानसिक संतुलन न रहना, घबरा जाना।

होशमंद वि. (फा.) 1. जो होश में हो, होशवाला 2. समझदार, बुद्धिमान, चतुर, होशियार।

होशियार वि. (फा.) 1. सावधान, सतर्क, सचेत 2. बुद्धिमान, समझदार, होशिया 3. कुशल, निपुण टि. 'चालाक' और 'होशियार' में यह अंतर है कि चालाक में धूर्तता, छल, कपट आदि का भी भाव है परंतु होशियार में ऐसी नकारात्मकता नहीं है।

होशियारी स्त्री. (फा.) 1. सावधानी, सतर्कता, सचेतता 2. समझदारी 3. निपुणता, दक्षता।

होस्टल पुं. (अं.) 1. छात्रावास, विद्यार्थियों के रहने का स्थान 2. किसी वर्ग के व्यक्तियों, अधिकारियों, कर्मचारियों आदि के रहने का स्थान (देश.) काव्य. एक प्रकार का छंद जिसके प्रत्येक चरण में एक जगण और एक गुरु होता है, सुधि।

होहला पुं. (देश.) 1. शोर-शराबा, कोलाहल 2. उपद्रव, उत्पात।

हो-हा पुं. (अनु.) कोलाहल, शोर काव्य. एक प्रकार का छंद जिसके प्रत्येक चरण में एक जगण और एक गुरु होता है।

हो हो स्त्री. (अनु.) 1. तेजी से हंसने का शब्द 2. कोलाहल, शोर।

हौं सर्व. (देश.) ब्रजभाषा का उत्तम पुरुष एक वचन सर्वनाम, मैं।

हौंकना अ.क्रि (अनु.) 1. गरजना, हुंकार करना 2. हौंकना।

हौंस स्त्री. (अर.) कामना, लालसा, इच्छा।

हौ अ.क्रि. (देश.) 1. हिंदी की 'होना' क्रिया का मध्यम पुरुष एक वचन, वर्तमान कालिक रूप, हो 2. 'होना' क्रिया का भूतकालिक रूप, था।